

प्रेषक,

अमित सिंह नेगी,  
सचिव,  
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

अधिशाली निदेशक,  
आपदा न्यूनीकरण एवं प्रबन्धन केन्द्र,  
सचिवालय परिसर, देहरादून।

आपदा प्रबन्धन एवं पुनर्वास अनुभाग

विषय:-

देहरादून: दिनांक 23 जुलाई, 21  
वित्तीय वर्ष 2018-19 में विश्व बैंक सहायतित परियोजना, उत्तराखण्ड डिजास्टर रिक  
प्रोजेक्ट (ए0एफ0) पुनर्वियोग के माध्यम से धनावंटन किये जाने के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक परियोजना निदेशक, पी0एम0यू0, यू0डी0आर0पी0(ए0एफ0) के प  
संख्या-27UDRP(AF)/Acct/2018-19, दिनांक 05.05.2018 एवं पत्र संख्या-20/PMU/UDRP-AF,  
2018, दिनांक 09.04.2018 का संदर्भ ग्रहण करने का कष्ट करें, जिसके द्वारा विश्व बैंक सहायतित उत्तराखण्ड  
डिजास्टर रिकवरी प्रोजेक्ट(ए0एफ0) के अन्तर्गत वित्तीय वर्ष 2018-19 में प्रशासनिक खर्चों हेतु राज्य  
आकस्मिकता निधि से रू0 8.00 करोड़(रू0 आठ करोड़ मात्र) अवमुक्त किये जाने का अनुरोध किया गया है।

2- उपरोक्त के सम्बन्ध में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि शासनादेश संख्या-1307, दिनांक  
28.06.2018 के द्वारा अनुदान संख्या-06 के लेखाशीर्षक 2245-80-102-9706 के मानक मद-42-अन्य व्यय में  
राज्य आकस्मिकता निधि से टोकन धनराशि के रूप में रू0 1000.00(रू0 एक हजार मात्र) की स्वीकृति के  
फलस्वरूप अनुदान संख्या-06 के लेखाशीर्षक 2245-80-102-9706 के मानक मद-24 में से मानक मद  
42-अन्य व्यय में पुनर्वियोग के माध्यम से संलग्न बी0एम0-09 के अनुसार कुल रू0 8.00 करोड़ (रू0 आठ करोड़  
मात्र) की धनराशि वित्त नियंत्रक, पी0एम0यू0, यू0डी0आर0पी0(ए0एफ0) के नाम से साइबर ट्रेजरी देहरादून में खुले  
"पी0एल0ए0-8443-800-सिविल डिपोजिट अन्य जमा" में जमा कराये जाने हेतु परियोजना निदेशक, (विश्व बैंक  
सहायतित) उत्तराखण्ड डिजास्टर रिकवरी प्रोजेक्ट (यू0डी0आर0पी0)(ए0एफ0) उत्तराखण्ड को उपलब्ध कराये  
जाने की श्री राज्यपाल निम्न शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं:-

- 1- स्वीकृत धनराशि का उपयोग उन्हीं मदों में किया जायेगा, जिस प्रयोजन हेतु धनराशि स्वीकृत की गई है।
- 2- उपरोक्त धनराशि का व्यय भारत सरकार तथा विश्व बैंक के साथ किये जाने वाले द्विपक्षीय समझौता ज्ञापन(MOU) के अनुसार किया जायेगा।
- 3- उक्त स्वीकृति के सापेक्ष व्यय/समर्पित धनराशि का लेखा मिलान संबंधित परियोजना निदेशक, पी0एम0यू0 द्वारा महालेखाकार कार्यालय, उत्तराखण्ड, देहरादून में निश्चित रूप से प्रत्येक तीन माह में सुनिश्चित कराया जायेगा।
- 4- वित्तीय वर्ष के अन्त में अवशेष धनराशि शासन को समर्पित कर दी जायेगी तथा सम्पूर्ण परियोजनाओं पर व्यय की गयी धनराशि के सम्बन्ध में उपयोगिता प्रमाण पत्र निर्धारित प्रारूप में शासन व वित्त विभाग को उपलब्ध कराया जाना सुनिश्चित किया जायेगा।
- 5- शासन द्वारा समय-समय पर जारी वित्तीय नियमों एवं निर्देशों तथा मितव्ययता सम्बन्धी आदेशों का पूर्ण अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा तथा किसी भी दशा में बिना औचित्य के धनराशि का आहरण नहीं किया जायेगा।

3- उक्त पर होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2018-19 के आय-व्ययक अनुदान संख्या-6 के अंतर्गत लेखाशीर्षक 2245-प्राकृतिक विपत्तियों के कारण राहत-80-सामान्य-102-विनाश वाले क्षेत्रों में आकस्मिक योजनाओं का प्रबन्ध-9706-तकनीकी सहायता एवं क्षमता विकास (विश्व बैंक प्रोजेक्ट ए एफ)-42-अन्य व्यय के नामें डाला जायेगा।  
संलग्नक: यथोक्त।

भवदीय,


(अमित सिंह नेगी)  
सचिव

संख्या-1989(1)/XVIII-(2)/F/18-12(03)/2018, तददिनांक।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

- 1- महालेखाकार, उत्तराखण्ड (लेखा एवं हकदारी) महालेखाकार भवन, कोलागढ़, देहरादून।
- 2- अपर मुख्य सचिव (वित्त), उत्तराखण्ड शासन।
- 3- परियोजना निदेशक/कार्यक्रम निदेशक, पी0एम0यू0, उत्तराखण्ड डिजास्टर रिकवरी प्रोजेक्ट (यू0डी0आर0पी0)(ए0एफ0) (विश्व बैंक सहायतित)
- 4- वित्त नियंत्रक, उत्तराखण्ड डिजास्टर रिकवरी प्रोजेक्ट (यू0डी0आर0पी0)(ए0एफ0)(विश्व बैंक सहायतित)
- 5- वित्त अनुभाग-01/05 एवं वित्त अनुभाग-07, उत्तराखण्ड शासन।
- 6- वरिष्ठ कोषाधिकारी, साईबर ट्रेजरी, देहरादून।
- 7- बजट अधिकारी, बजट राजकोषीय नियोजन एवं संसाधन निदेशालय, उत्तराखण्ड।
- 8- गार्ड फाइल।

आज्ञा से,

  
(अमित सिंह नेगी)  
सचिव

उत्तराखण्ड शासन  
(वित्तीय वर्ष 2018-2019)

बी.एस. - 09

बजट नंबर आईटी - R1807060022  
दिनांक - 17-Jul-2018

(In Rupees)

अनुदान संख्या - 006  
पुनर्वित्तियोग स्वीकृति आदेश संख्या -

क्र. संख्या	व्यय प्रविधान तथा श्रेणिकर्तक (1)	मानक संख्या व वर्ग (2)	वित्तीय वर्ष के अन्तर्गत अनुमानित व्यय (3)	अनुमानित व्यय (4)	शेकादीर्घक विवरण व्यय की व्याख्या (5)	पुनर्वित्तियोग के बाद संयोज्य -5 की कुल व्यय (6)	पुनर्वित्तियोग के बाद संयोज्य -1 में कुल व्यय (7)	वर्गीकृत
2245	प्राकृतिक विपत्तियों के कारण राहू				2245 प्राकृतिक विपत्तियों के कारण राहू			
80	साधारण				80 साधारण			
102	विनाश वाले क्षेत्रों में आकस्मिक योजनाएं				102 विनाश वाले क्षेत्रों में आकस्मिक योजनाएं			
97	बाह्य सहाय्य विवरण (एलडीएस)				97 बाह्य सहाय्य विवरण (एलडीएस)			
06	वर्गीकृत सहाय्य एवं अन्य व्यय (Voted)				06 वर्गीकृत सहाय्य एवं अन्य व्यय (Voted)			
1	24 - बृहत् निर्माण कार्य	200000000	0	120000000	42 - अन्य व्यय	800000000	1200000000	
	योग			800000000	योग	800000000		

प्रमाणित किया जाता है कि पुनर्वित्तियोग से बजट मैनुअल के परिच्छेद 133, 134 में उल्लिखित प्रावधानों एवं सीमाओं का उल्लंघन नहीं होता है।

पुनर्वित्तियोग किसे जाने हेतु प्रपत्र 09 की मूल प्रति वित्तीय डाटा सेक्टर 23- सक्षमी रोड डालनवाला, देहरादून को उपलब्ध करायी

(अमित सिंह नेगी)  
सचिव, उत्तराखण्ड शासन।

उत्तराखण्ड शासन

वित्त अनुभाग-5

संख्या 96 भित्ति/XXV/15/2018-19

देहरादून : दिनांक १० जुलाई, 2018

पुनर्वित्तियोग स्वीकृत

सेवा में

महोत्तरीकार (ए० एच ई०) उत्तराखण्ड, देहरादून।

यूआर०-1989 /XVIII(2)/17-12(03)/2018, देहरादून : दिनांक 22 जुलाई, 2018

प्रतिनिधि निम्नलिखित को सूचना एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

1. निदेशक, कोषागार, 23 लक्ष्मीरोड, डालनवाला, देहरादून।
2. मुख्य / वरिष्ठ कोषाधिकारी, देहरादून।
3. वित्त (व्यय नियंत्रण) अनुभाग-5।

(भूपेश चंद्र तिवारी)  
अपर सचिव (वित्त), उत्तराखण्ड शासन।

(अमित सिंह नेगी)  
सचिव, उत्तराखण्ड शासन।